डॉ. मीरा कुमारी
संस्कृत विभाग, सी. एम. जे. कॉलेज, खुटौना
ललित नारायण मिथिला विश्विद्यालय, दरभंगा, बिहार
ईमेल आइडी - kmeera573@gmail.com
Mobile number- 6287538352

वर्ग- बीए पार्ट 1 (H) दिनांक - 29-07-2020

विषय- वैदिक साहित्य

ऋग्वेद का रचनाकाल

ऋग्वेद के महत्व को एक स्वर से सभी रचनाकारों ने स्वीकार किया है किंतु इसके रचनाकाल के संबंध में बड़ा मतभेद है। फिर भी ऋग्वेद के रचनाकाल के बारे में कुछ विद्वानों के विचार इस प्रकार है-

1. बेवर- इनके अनुसार वेदों का रचनाकाल समग्र भारतीय साहित्य तथा विश्व के अन्य सभी साहित्य से भी प्राचीन है किंतु वेदों के रचनाकाल की निश्चित तिथि के बारे में ये मौन ही रहे हैं।
2. मैक्स मूलर- इन्होंने वैदिक साहित्य को चार कालों में बांटा है १. छंद काल २.मंत्र काल ३.ब्राह्मण काल और ४. सूत्र काल। इनके अनुसार संपूर्ण साहित्य महात्मा बुध से पहले लिखा जा चुका था जिनका काल ईसा पूर्व पांचवी शताब्दी है बुद्ध से 100 वर्ष पहले सूत्र काल, सूत्र काल से 200 वर्ष पहले ब्राह्मण काल, और ब्राह्मण काल से 200 वर्ष पहले मंत्र-काल तथा मंत्र -काल से 200 वर्ष पहले छंद-काल के ग्रंथों की रचना मैक्स मूलर ने स्वीकार की है। इस प्रकार इनके अनुसार ऋग्वेद का रचनाकाल 1200ई०पू० निश्चित होता है।
3. ह्यूगो विंकलर - इन्होंने एशिया माइनर में बोगाज़कोई स्थान पर मिले संधि पत्र में लिखित वैदिक देवता- इंद्र, मित्र आदि के नामों से अनुमान लगाया कि 1400 साल ईसा पूर्व में वैदिक सूक्त रचे जा चुके थे।
4. बुलर - इन्होंने ऋग्वेद में प्राप्त भौगोलिक तत्वों के आधार पर कहा है कि जब वैदिक आर्य अफगानिस्तान और भारत के उत्तरी कोने पर बसे थे तभी ऋग्वेद की रचना हुई थी। उनके अनुसार इसकी रचना 1500 से 1200 ईसा पूर्व में हुई है।
5. ह्विटने और केगी- इन्होंने ऋग्वेद के शब्दों की रचना का समय 2000 से 2500 ई०पू० माना है जिसमें शताब्दियों का अंतर होना भी संभव है।
6. मैक्डाॅनल - इन्होंने ऋग्वेद और अवेस्ता की भाषा की तुलना के आधार पर तथा अन्य अनेक प्रमाण देकर ऋग्वेद का रचनाकाल 1300 ई०पू० माना है।
7. हाॅग - भाषा के आधार पर यह वैदिक सूत्र की रचना का समय 2400 ई०पू० बतलाए हैं।
8. जैकोबी - इन्होंने संस्थाओं तथा ब्राह्मण ग्रंथों के आधार पर वेदों की रचना काल 3000 ई०पू० बतलाई है।
9. बाल गंगाधर तिलक- इन्होंने ज्योतिष के आधार पर वेदों की रचना का समय 6000 ई०पू० बतलाया है।
10. अविनाश चंद्र - भूगर्भशास्त्र के आधार पर वेदों की रचनाकाल 25000 ई०पू० बतलाया गया है।

11. बलदेव उपाध्याय - इन्होंने वेदों की रचना काल आज से 5000 वर्ष पूर्व अर्थात् ईसा से 3000 वर्ष पूर्व बतलाया है।
12. विण्टरनिट्ज - इन्होंने उपर्युक्त सभी मतों पर विचार करने के पश्चात ऋग्वेद की रचना का समय 2500 से 2000 ई०पू० माना है । साथ ही ये परामर्श दिए हैं कि "बुद्धिमत्ता इसी में है कि हम वैदिक साहित्य की कोई निश्चित तिथि निर्धारित ना करें तथा इसे अति प्राचीन या अति नवीन मानने के अतिवाद से बचे रहें"।